प्रोफे॰ (डा॰) प्रदीप कुमार जोशी
अध्यक्ष
Prof. (Dr.) Pradeep Kumar Joshi
CHAIRMAN

सत्यमेव जयते

संघ लोक सेवा आयोग
धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड,
नई दिल्ली–110069
UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
Dholpur House, Shahjahan Road,
New Delhi-110069
Tel. : (91-11) 23381688
Fax : (91-11) 23381145

संदेश

दिनांक : 1 अक्तूबर, 2021

प्रिय साथियो,

संघ लोक सेवा आयोग के 95वें स्थापना दिवस के इस पावन अवसर पर, मैं आयोग के माननीय साथी सदस्यगणों, अधिकारियों और स्टॉफ को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूँ। मैं माननीय पूर्व अध्यक्षों और सदस्यों को भी बधाई देता हूँ और उनका अभिनन्दन करता हूँ क्योंकि उन्होंने आयोग की मजबूती, सत्यनिष्ठा और ईमानदारी के उच्च मानकों को बनाए रखने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया है। हम सभी के लिए यह गर्व की बात है कि हम इस ऐतिहासिक दिवस के साक्षी हैं और एक ऐसी संस्था से जुड़े हुए हैं जिसकी स्थापना 01 अक्तूबर, 1926 को हुई थी।

2. संवैधानिक अधिदेश के अनुसार, संघ लोक सेवा आयोग को देश में प्रमुख प्रशासनिक सेवाओं की निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त, आयोग अपनी परामर्श संबंधी

जिम्मेदारियों का भी कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रहा है। नि:संदेह रूप से यह आयोग के माननीय सदस्यों की बुद्धिमत्ता, कुशल मार्गदर्शन, व्यापक पेशेवर एवं शैक्षिक ज्ञान और अनुभव से ही संभव हो पाता है। आयोग के अधिकारियों और स्टॉफ के समर्पित और सच्चे प्रयास प्रशंसनीय हैं क्योंकि उन्होंने सभी अवसरों पर आयोग के निर्णयों को कुशलतापूर्वक कार्यान्वित किया है ।

3 हाल ही में कोविड महामारी की स्थिति ने देश में स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं को बुरी तरह से प्रभावित किया था और मुझे अफसोस है कि हमने भी कुछ अधिकारी / स्टॉफ और उनके प्रियजनों को खोया है। कोविड महामारी के दौरान जिन्होंने अपना जीवन खोया है, मैं उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। आयोग अपने कर्मचारियों के कल्याण संबंधी कार्यों के लिए सदैव सक्रिय रहा है। कोविड काल के दौरान, अक्तूबर, 2020 में दो- दिवसीय कोविड जांच शिविर आयोजित किया गया और बाद में जून, 2021 तथा सितम्बर, 2021 के महीने में लोक प्राधिकारियों के साथ समन्वय करके टीकाकरण शिविर भी आयोजित किए गए ।

4. आयोग ने गम्भीर महामारी की स्थिति, विशेषकर अप्रैल और मई, 2021 महीनों के दौरान उत्पन्न हुई चुनौतियों का बखूबी सामना किया है। परीक्षाएं, भर्ती परीक्षणों, डी पी सी / एस सी एम आदि आयोजित करने के

कार्यक्रमों का पुनर्निर्धारण करके आयोग ने अपने सभी संवैधानिक दायित्वों को पूरा किया है। यह सब करने में उम्मीदवारों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता दी गई। यहां तक कि सख्त लॉकडाउन के दौरान भी आयोग ने नियमित अन्तराल पर उम्मीदवारों की चिन्ताओं और अनचाहे डर से उन्हें मुक्त रखने के लिए उनसे सफलतापूर्वक सम्पर्क बनाए रखा ।

5. निरन्तर योजना बनाकर, मॉनीटरिंग करके और विभिन्न प्राधिकारियों के साथ समन्वय करके, आयोग अपनी परीक्षाएं एवं साक्षात्कार आयोजित करना प्रारंभ करा सका । इसके लिए अनेक नई व्यवस्थाएं करनी पड़ी जैसे- साक्षात्कार किए जाने वाले उम्मीदवारों के लिए हवाई जहाज के किराए की प्रतिपूर्ति करना, कोविड प्रोटोकॉल के अनुरूप उम्मीदवारों और परीक्षा-पदाधिकारियों के लिए मानक प्रचालन प्रक्रिया विकसित करना और यह सुनिश्चित करना कि इनका सख्ती से अनुपालन हो, केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के प्राधिकारियों के साथ निरंतर एवं प्रभावी समन्वय स्थापित करना ताकि उम्मीदवारों को परीक्षा-स्थल पहुंचने में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े, परीक्षा-स्थल के पर्यवेक्षकों हेतु पर्याप्त बजटीय प्रावधान करना जिससे वे अपने परीक्षा-स्थलों को प्रभावी रूप से सैनिटाइज़ कर सकें और परीक्षा पदाधिकारियों और उम्मीदवारों को अपेक्षानुसार सुरक्षा-किटों की आपूर्ति कर सकें। आयोग द्वारा की गई व्यवस्थाएं काफी प्रभावी

रहीं जो इस बात से प्रमाणित होती है कि इस अवधि के दौरान परीक्षाओं / साक्षात्कारों को सुचारू रूप से आयोजित किया जा सका ।

6. इन कुशल प्रयासों से, आयोग वर्ष 2020 की सभी स्थगित परीक्षाओं की परीक्षा-प्रक्रिया को पूर्ण करने के अग्रिम चरण में है। इसके अलावा, वर्ष 2021 की अधिकांश परीक्षाएं अपने अगले चरण में पहुंच गई हैं। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2022 के लिए आयोग की परीक्षाओं के लिए वार्षिक कार्यक्रम को अंतिम रूप दे दिया गया है और इसे उम्मीदवारों के हित में सार्वजनिक कर दिया गया है ।

7. 01 अप्रैल, 2020 से शुरू होने वाली अवधि के दौरान आयोग ने विभिन्न परीक्षाओं और भर्ती परीक्षणों को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया है । उम्मीदवारों की सुविधा के लिए, आयोग ने सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा के लिए लद्दाख में लेह, महाराष्ट्र में नासिक, गुजरात में सूरत और उत्तराखंड में अल्मोड़ा तथा श्रीनगर नए परीक्षा केन्द्र बनाए हैं । तद्नुसार, सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा केन्द्रों की कुल संख्या अब 77 हो गई है । राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, नौसेना अकादमी और सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षाओं के लिए परीक्षा केन्द्रों की संख्या भी 41 से बढ़ाकर 77 कर दी गई है । इस वर्ष आयोग ने सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा, 2021 के उम्मीदवारों को

परीक्षा देने के लिए अपने केन्द्र परिवर्तित करने का अवसर प्रदान किया जिसका लाभ लगभग 28000 उम्मीदवारों ने उठाया ।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, एक नीतिगत निर्णय के रूप में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ई डब्ल्यू एस) के लिए शार्टलिस्ट करने संबंधी मानदंडों के बारे में भी आयोग द्वारा निर्णय लिया गया। इसके अलावा, ऑन-लाइन भर्ती आवेदन प्रपत्र में 'ट्रांसजेंडर' को एक अलग श्रेणी के रूप में शामिल किया गया है । इस वर्ष भी संघ सरकार द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी के अनुसार, आयोग द्वारा संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों के पदों पर पार्श्व (लेटरल) भर्ती की जा रही है ।

8. हमारे स्थापना दिवस के बाद **"गांधी जयन्ती"** आती है और इसे बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है । मुझे पूरा विश्वास है कि हम सब राष्ट्रपिता, महात्मा गांधी के अहिंसा, सच्चाई, ईमानदारी, कठिन परिश्रम एवं साफ-सफाई पर उनके सिद्धान्तों का अनुपालन करेंगे। इन सद्गुणों से हम न केवल स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण कार्यालय वातावरण बनाए रखेंगे बल्कि अपनी अमूल्य संस्कृति एवं परम्पराएं कायम रखते हुए राष्ट्र की प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त कर सकेंगे।

9. आयोग, नागरिकों / उम्मीदवारों की अपेक्षाओं के प्रति सदैव सजग है और उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अपने प्रयासों में कोई कमी नहीं

छोड़ता है। यह हमारा सतत प्रयास है कि बदलते समय के अनुरूप हम अपनी कार्य प्रणाली को और अधिक कुशल, कारगर और आसान बनाएं।

10. आयोग के इस 95वें स्थापना दिवस पर, मैं आप सभी को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ और अधिकारियों तथा स्टाफ के सतत अमूल्य योगदान की प्रशंसा करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपकी दृढ़ प्रतिबद्धता, सहयोग और योगदान से आयोग अपने सभी संवैधानिक दायित्वों की पूर्ति करने में समक्ष होगा।

इस पावन अवसर पर मैं पुन: आप सभी को शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूँ।

"जय हिंद"

प्रदीप कु० जोशी

प्रोफेसर (डॉ.) प्रदीप कुमार जोशी

अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग